उजरती-दर आधार पर नियोजित थे। समय-दर वाले और उजरती दर वाले कर्मकारों की न्यूनतम और अधिकतम आमदनी क्रमशः 15.00 रु० से 15.55 रु० तथा 14.00 रु० से 26.00 रु० प्रति दिन थी। कार्य घंटे निर्धारित नहीं थे तथा कर्मकारों के लिए सवेतन छुट्टी और अवकाश नहीं दिया जाता था। कतिपय सामाजिक सुख-सुविधाएं भी मुहैया नहीं करवायी जाती थीं। 68% कर्मकारों के बारे में सूचना है कि अन्य राज्यों से प्रवास पर आए थे।

III. भारत में पत्थर-खदान उद्योग का सर्वेक्षण (1994)

अध्ययन से पता चलता है कि 82.5% कर्मकार पुरुष थे, 17.3% महिलाएं थीं और शेष 0.2% बच्चे थे। लगभग 45% कर्मकार स्थायी थे और शेष अस्थायी अथवा नैमित्तिक कर्मकार थे। कुशल कर्मकारों की आमदनी 43.80 रु० से 71.66 रु० तक थी, अर्द्ध-कुशल कर्मकारों की 30.00 रु० से 70.54 रु० और अकुशल कर्मकारों की आमदनी 13.80 रु० से 45.11 रु० तक थी। 73.2% इकाईयां बोनस अधिनियम के अनुसार बोनस अदा कर रही थीं और शेष त्यौहार बोनस अदा कर रही थी। 8.3% इकाईयों से व्यवसाय संघ गतिविधियों की सूचना है और 18.3% कर्मकार संघों के सदस्य थे। लगभग 37% परिवार सदस्य अर्जक थे और शेष आश्रित थे। केवल 4% कर्मकारों ने माध्यमिक कक्षा से आगे पढ़ाई की थी और लगभग 66% सदस्य अनपढ़ थे। लगभग 26% परिवारों के ऋण ग्रस्तता की सूचना थी।

IV. ग्रामीण श्रम जांच (1987-88)

1987-88 के दौरान देश में ग्रामीण परिवारों की 108.4 मिलियन कुल अनुमानित संख्या में से लगभग 2/5 ग्रामीण परिवार थे (43.0 मिलियन)। ग्रामीण श्रमिक परिवारों में से कृषिय श्रमिक परिवार (33.3 मिलियन) 3/4 से अधिक थे। जांच से यह पता चला कि 1983 में 284 दिन और 230 दिन की तुलना में 1987-88 में कृषिय श्रमिक परिवारों के पुरुषों और महिलाओं द्वारा औसतन किये गये कार्य दिवस 295 दिन और 253 दिन थे। व्यस्त कृषिय श्रमिक परिवार श्रम दिवसों का प्रमुख हिस्सा (76.9%) मजदूरी संदत्त रोजगार था। रिपोर्ट में ग्रामीण/कृषिय श्रमिक परिवारों में अल्प रोजगार का भी उल्लेख किया गया है। पुरुष कर्मकारों में अल्प रोजगार की तीव्रता 1983 में 14.46% की तुलना में 1987-88 में 11.94% थी। महिला कर्मकारों के लिए, ये आंकड़े 1983 में 16.97% और 1987-88 में 10.60% थे।

मजदूरी और आय

कृषिय श्रमिक परिवारों की सभी श्रेणियों के पुरुष, महिला और बच्चों, जो कृषि व्यवसाय में कार्यरत थे, की औसत दैनिक आय 1983 में 4.72 रु०, 3.56 रु० और 2.32 रु० से बढ़कर 1987-88 में 9.28 रु०, 7.00 रु० और 6.01 रु० हो गयी।

V. उपभोग व्यय

(क) ग्रामीण श्रमिक परिवारों का औसत वार्षिक परिवार व्यय 1987-88 में रु० 7055 था जो 1983 के स्तर से 40.4% अधिक था। कुल उपभोग व्यय का प्रमुख हिस्सा (66.25%) खाद्य सामग्री पर व्यय से संबंधित था।

(ख) ऋण ग्रस्तता

ग्रामीण श्रमिक परिवारों में ऋण ग्रस्तता का भार 1983 में 50.42% की तुलना में 1987 में 39.10% थी। ऋण का प्रमुख हिस्सा पारिवारिक उपभोग विवाह और अन्य गृहकार्य, भूमि की खरीद और भवन निर्माण के कारण था।

Targets for Jawahar Rozgar Yojana in Punjab

1060. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what were the targets fixed under the Jawahar Rozgar Yojana in Punjab during the year 1994-95 and how far the same has been achieved;

(b) the details thereof;

(c) whether it is a fact that the said targets are not being achieved; and

(d) if so, the steps being taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI BALRAM SINGH YADAV): (a) to (d) The financial and physical performance under the Jawahar Rozgar Yojana (JRY) for the State of Punjab

during the financial year 1994-95 is given below:—

Programme	Financial Performance (Rs. in lakhs)		Physical Performance Employment Generated (in lakh mandays)	
	Allocation	Expenditure (provisional)	Target	Achievement (provisional)
JRY Ist Stream	1699.26	1673.48	25.39	24.36

As against the allocation under JRY the expenditure was 98.5 percent while the physical achievement against the target was 95.9 per cent.

Forward Trade in Coconut Oil

1061. SHRI JOY NADUKKARA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that forward trade in coconut oil was allowed upto 1973 and it was stopped in that year alongwith the forward trade in many other commodities due to rise in the price of essential commodies;

(b) whether forward trade was resumed for almost every other items except coconut oil and it was allowed for certain new items also;

(c) whether there is any proposal from the Ministry of Agriculture of Kerala and the Civil Supplies department demanding resumption of forward trade in coconut oil also so that the fall in price of coconut in Kerala may be checked to a certain exten; and

(d) whether Government are likely to consider such a measure and allow forward trade in respect of coconut oil also?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Forward trading in coconut oil was permitted upto 1971 when it was suspended alongwith gur and cotton seed. Forward trading was resumed in gur in 1978 but continues to be suspended in the other two commodities.

(c) Representations have been received from Cochin Oil Merchants' Association, Cochin and Allepey Oil Millers & Merchants' Associations to resume forward trading in coconut oil.

(d) The matter relating to introduction/resumption of forward trading in number of commodities including coconut oil has been reviewed by the Kabra Committee set up by the Government. The Committee's report is under examination.

विश्व बाजार में आयात/निर्यात की स्थिति

1062. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विश्व बाजार में भारत के आयात/निर्यात की क्या स्थिति है?

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान आयात और निर्यात में वृद्धि का वर्ष-वार प्रतिशत कितना रहा और आगामी दो वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है; और

(ग) निर्यात हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या समयबद्ध कदम उठाए गए हैं और सदी के अंत तक कितने प्रतिशत निर्यात लक्ष्य प्राप्त हो जाने की संभावना है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) विश्व व्यापार के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 1993 के दौरान विश्व निर्यात में भारत का हिस्सा 0.58 प्रतिशत था। उसे वर्ष के दौरान आयात में हिस्सा 0.60 था।